



## लविवि : दीक्षांत समारोह सप्ताह आज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 16 सितंबर को होना है। इससे पहले सोमवार से 15 सितंबर तक दीक्षांत समारोह सप्ताह के तहत अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। विवि के एपी सेन हॉल में बीबीएयू राजनीति विज्ञान के प्रो. रिपू सुदन सिंह की ओर से व्याख्यान का आयोजन होगा। मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस व अन्य प्रतियोगिताएं होंगी। बुधवार को प्रभात फेरी व अन्य आयोजन होंगे। (संवाद)

## AMRIT VICHAR PAGE 4

## लविवि : बीटेक व एमसीए की कक्षाएं 19 से शुरू होंगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के तहत संचालित बीटेक और एमसीए पाठ्यक्रमों की कक्षाएं 19 सितंबर से शुरू होंगी। विवि में दाखिले की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नवप्रवेशित विद्यार्थियों को इस तारीख पर रिपोर्ट करने को कहा गया है।

लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीटेक के दाखिले सामान्य के मुकाबले कुछ बाद तक चले हैं। इसलिए इनकी कक्षाएं बाद में शुरू की जा रही हैं। जल्द ही इसका टाइम टेबल विवि की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। इसके हिसाब से विद्यार्थियों को कक्षाएं करनी होंगी। इंजीनियरिंग संकाय में 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य है। (माई सिटी रिपोर्टर)

## प्रो. गौरी सक्सेना बनीं बॉटनी की विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग में प्रो. गौरी सक्सेना को बॉटनी विभाग का नया विभागाध्यक्ष बनाया गया है। वे अपने पद पर सेवानिवृत्त या फिर अगले तीन साल की अवधि तक तैनात रहेंगी। सोमवार को वे अपना कार्यभार ग्रहण करेंगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

## 67वें दीक्षांत में नीलेश एम.देसाई को मानद उपाधि

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ नीलेश एम.देसाई को 16 सितंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय के आगामी 67वें दीक्षांत समारोह के दौरान अत्यधिक प्रतिष्ठित मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। नीलेश एम.देसाई एक भारतीय इंजीनियर और अंतरिक्ष वैज्ञानिक हैं।

जिन्हें अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। उनका योगदान कई महत्वाकांक्षी



भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों में फैला हुआ है। विशेष रूप से माइक्रोवेव रडार उपग्रहों के

### प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

नीलेश देसाई का जन्म 1 अप्रैल 1964 को गुजरात के नवसारी में एक गुजराती परिवार में हुआ था। देसाई ने अपनी स्कूली शिक्षा कंदरिया विद्यालय से पूरी की। देसाई ने एल.डी.कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गुजरात और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से 1985/86 बैच के बी.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार) में स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए सर्वोच्च सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। झांसी ने हाल ही में 30 सितंबर 2023 को आयोजित अपने 28वें दीक्षांत समारोह में उन्हें इसरो के माइक्रोवेव रडार (आरआईएसएटी), ओशनसैट, एनआईएसएआर और चंद्रयान-3 के महत्वपूर्ण तत्वों के डिजाइन और विकास में उनके अपार योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद) की उपाधि प्रदान की है।

## सत्यापन सिद्धांत पर डॉ. रजनी ने विचार साझा किये

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग ने सेमिनार श्रृंखला के तहत एक महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किया। उक्त व्याख्यान विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग में

व्याख्यान का आयोजन

डॉ.रजनी श्रीवास्तव के संयोजन में किया गया। व्याख्यान प्रस्तुतकर्ता विभाग के शोधार्थी सौरभ थे, जिन्होंने सत्यापन सिद्धांत पर अपने विचार साझा किए। शोधार्थी ने तार्किक प्रत्यक्षवाद के केंद्रीय तत्व और सत्यापन सिद्धांत पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह सिद्धांत कहता है कि कोई कथन तभी सार्थक होता है जब उसे अनुभववाक्य रूप



से सत्यापित किया जा सके या वह विश्लेषणात्मक रूप से सत्य हो। उन्होंने विनय मंडल और एजे आयर के योगदान की चर्चा की, जिनके अनुसार अनुभव से सत्यापित न किए जा सकने वाले धर्म और नैतिकता जैसे विषय निरर्थक हैं। इसके अलावा, उन्होंने कार्ल पॉपर की आलोचनाओं पर भी प्रकाश डाला। जिन्होंने सत्यापन सिद्धांत के कठोर मापदंडों पर सवाल उठाया और खंडनीयता के सिद्धांत को पेश किया। पॉपर के अनुसार, वैज्ञानिक सिद्धांतों को सत्यापित करने की

बजाय, उन्हें खंडनीय होना चाहिए, ताकि उन्हें अनुभव के आधार पर गलत साबित किया जा सके। व्याख्यान के अंत में विभाग की अध्यक्ष डॉ.रजनी श्रीवास्तव ने व्याख्याता के विचारों का सार प्रस्तुत किया और व्याख्यान को संक्षिप्त किया। इस आयोजन में दर्शनशास्त्र विभाग के कई प्राध्यापक और छात्र उपस्थित रहे, जिनमें डॉ.प्रशांत शुक्ला और डॉ.गजेन्द्र वर्मा, डॉ.ममता सिंह प्रमुख रहे। व्याख्यान की कोऑर्डिनेटर विभाग की शोध छात्र निशी कुमारी रही।

### इसरो में करियर

1986 में एसएसी, इसरो में अपने पेशेवर सफर की शुरुआत करते हुए, देसाई ने इसरो के माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग प्रोग्राम (एमआरएसपी) में काम करना शुरू किया। अपने करियर के दौरान, देसाई इसरो के माइक्रोवेव रडार सिस्टम के डिजाइन और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं, जो सामाजिक कल्याण, शासन और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए पृथ्वी अवलोकन, नेविगेशन और संचार प्रौद्योगिकियों को शामिल करते हुए उन्नत अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

विकास, भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम, क्रांटम कुंजी वितरण और तीसरे भारतीय चंद्र अन्वेषण मिशन, चंद्रयान-3 का नेतृत्व करना। उन्होंने 1 जनवरी, 2021 को अहमदाबाद के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक का पद संभाला।

## गौरी सक्सेना बनीं विभागाध्यक्ष

लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर गौरी सक्सेना को विभाग की अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 9 सितंबर से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।



जलाना संवाददाता • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को दीक्षांत समारोह से पहले ही सितंबर से दीक्षांत समारोह (संयुक्तिक) का नौ दिवसीय से शुभारंभ हो रहा है। इसमें विवि के कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राई की प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने सभी बरखंडों की सूची जारी कर दी। लखनऊ एक दिन तक परिसर में विद्यार्थियों की रचनात्मकता निखारकर सम्मान जाएगा। कला और संस्कृति का संसार होगा।

सोमवार को पहले दिन एक पार्लियामेंट में विद्यार्थियों की रचनात्मकता प्रदर्शिता की होगी। अलग-अलग विभागों में अन्य प्रतियोगिताएं भी होंगी। 12 सितंबर को विशेष व्याख्यान, स्लेम, छात्र-छात्राई वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। 10 सितंबर को माध्यमिक स्तर पर विविध विभागों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नवप्रवेशित बीटेक (प्रथम सेमेस्टर) की सभी शाखाओं के छात्रों एवं एमसीए (प्रथम सेमेस्टर) के छात्रों की कक्षाएं 19 सितंबर से प्रारंभ होंगी। इस संदर्भ में समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

### गौरी सक्सेना बनीं विभागाध्यक्ष

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर गौरी सक्सेना को विभाग की अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 9 सितंबर से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। (जब)

सेमेस्टर की कक्षाएं 19 से लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर गौरी सक्सेना को विभाग की अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 9 सितंबर से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। (जब)

दूसरा सीट आवंटन जारी लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर गौरी सक्सेना को विभाग की अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 9 सितंबर से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। (जब)

## एलयू का दीक्षांत सप्ताह आज से शुरू

### तैयारी

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। एलयू का दीक्षांत समारोह 16 सितंबर को प्रस्तावित है। सोमवार से दीक्षांत सप्ताह शुरू हो रहा है। जिसके अन्तर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। दीक्षांत सप्ताह के कार्यक्रमों के अन्तर्गत पहले दिन सोमवार को अपराह्न 11 से तीन बजे तक मॉक पार्लियामेंट का आयोजन एपी सेन हॉल में होगा। वहीं 10 सितंबर को मालवीय सभागार में रंगोली, गणेश वन्दना, सरस्वती वन्दना, लोकगीत, काकोरी स्क्रिट, ग्रुप डांस,

### बीटेक-एमसीए प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 19 से

एलयू में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में बीटेक और एमसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नवप्रवेशित बी.टेक (प्रथम सेमेस्टर) की सभी शाखाओं के छात्रों एवं एमसीए (प्रथम सेमेस्टर) के छात्रों की कक्षाएं 19 सितंबर से शुरू हो रही हैं। समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जल्दी जारी की जाएगी।

भोजपुरी सोहर फैशन शो, गरबा डांस समेत अन्य आयोजन होंगे। 11 सितंबर को प्रभात फेरी निकाली जाएगी। साथ ही कविता गोष्ठी एपी सेन हॉल में होगी। 12 सितंबर को बीहू डांस का प्रस्तुति एपी सेना हॉल में होगी। विशेष व्याख्यान, कबीर कान्हेस्ट्र गुजराती डांस, स्लोगन, मैशअप सांग, सोलो डांस, स्टोरी, पोस्टर मेकिंग, वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताएं

होंगी। 13 सितंबर को नागालैण्ड का ग्रुप डांस, शिव तांडव, ताजिकिस्तान का ग्रुप डांस, वन एक्ट प्ले, विज्ञान पेंटिंग, साइंस फेस्ट, चेस, टग ऑफ वार, 14 सितंबर को विज्ञान व्याख्यान, रंगोली, लखनऊ नगर में यातायात समस्या उत्तरदायित्व एवं समाधान विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी। 15 सितंबर को खेल प्रतियोगिता होगी।

## LU to confer Honoris Causa degree on Desai

PNS ■ LUCKNOW

Esteemed engineer and space scientist Nilesh M Desai will be honoured with the Honoris Causa degree during the 67th convocation of the University of Lucknow on September 16. Desai is recognised for his significant contributions to space technology and applications. According to LU spokesperson Durgesh Srivastava, Desai's

work includes key roles in the development of microwave radar satellites, the Indian Regional Navigation Satellite System (NAVIC), quantum key distribution, and the Chandrayaan-3 mission. He has been Director of the Space Applications Centre (SAC), Ahmedabad, since January 2021. Born on April 1, 1964, in Navsari, Gujarat, Desai completed BE in Electronics & Communication from LD

College of Engineering, Gujarat, with top honours. He has been instrumental in ISRO's Microwave Remote Sensing Programme since 1986. His contributions include the design of RISAT-1, Oceansat-2, Scatsat-1, and key components of Chandrayaan-3. Desai also advanced VLSI and semiconductor manufacturing in India and was pivotal in developing the country's first indigenous ASIC and Satellite Based

Quantum Communication (SBQC). Desai's career is marked by numerous accolades, including the ISRO Performance Excellence Award (2018) and the IESA Dr APJ Abdul Kalam Award (2023). He has represented ISRO globally and actively contributes to professional societies, including serving as national president of ISRS (2020-2022) and vice-president of ISSE-Ahmedabad Chapter.

## Storyteller with 1.75 lakh Insta followers to get LU's top medal

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** Lucknow University will be awarding its most prestigious Chancellor Gold Medal to MA psychology student Anushka Jain.

Anushka is not only a blogger and content creator but also a talented storyteller with over 1.75 lakh followers on a social media platform. The award, given to the best student in all faculties, will be given during the convocation ceremony on Sept 16.

Dr Chakravarti Gold Medal, constituted in the memory of LU's first vice-chancellor Gyanandra Nath Chakravarty and conferred to a student for social service contributions, will be awarded to MA (public administration) student Ayush Chauhan, who aspires to be a civil servant.

The Vice-Chancellor Gold Medal, awarded to the best NCC cadet, will be given to BCom (V semester) student Anshika Tiwari, who aspires to be a defence personnel.

Chancellor medal winner Anushka, better known



(From L) Anushka Jain, Ayush Chauhan and Anshika Tiwari

as 'the ticking pen' to her 175K Instagram followers, is currently touring India with her solo storytelling and poetry show, 'Suno?', which has made her popular among Gen Z in cities like Delhi, Mumbai, and Bangalore.

"I am honoured that I have been chosen for this prestigious medal. My passion for psychology stems from my desire to help people heal, and I am doing it through my poetry and storytelling. By blending psychological insights into my writings, I try to bring peace and healing to my audience in a creative way. I have been a host for 'Golden Hits' on Door-darshan Uttar Pradesh and also worked as an RJ with Akashvani Lucknow," said

Anushka. Ayush said, "I aspire to be a civil servant, one who is completely dedicated to serving the nation through public administration. I have already begun public service by making people aware about the environment and getting educated. I hold an NCC C certificate and at present, I am preparing for civil services."

Anshika said, "I am happy to be announced as the best NCC cadet of the University and winner of this Vice-Chancellor Gold Medal. I am preparing for the combined defence services examination and aspire to join the Indian army."

She said, "My father, Brijesh Kumar, who is serving as an inspector in UP police, is my inspiration."